पाठ 28

एशिया: भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- एशिया महाद्वीप की स्थिति को मानचित्र में पहचानना।
- एशिया के प्रमुख धरातलीय स्वरूप की विशेषताएँ कौन-कौन सी हैं?
- एशिया महाद्वीप की जलवायु दशाएँ कैसी हैं?
- महाद्वीप की प्रमुख वनस्पति एवं जीव-जन्तु कौन-कौन से हैं?

पिछली कक्षा में हम भारत देश के बारे में विस्तार से पढ़ चुके हैं। भारत एशिया महाद्वीप के दक्षिण में स्थित है। आइए, एशिया महाद्वीप की स्थिति को हम संसार के मानचित्र में पहचानें–

मानचित्र क्र.-7: संसार के मानचित्र में एशिया की स्थिति

मानचित्र में गुलाबी रंग का भाग एशिया महाद्वीप है। हम पूर्व में पढ़ चुके हैं कि पृथ्वी पर सात महाद्वीप हैं, जिनमें एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है।

स्थिति एवं विस्तार

एशिया महाद्वीप तीन ओर से महासागरों से घिरा है तथा एक ओर से स्थल से अर्थात् पश्चिम में यूरोप व अफ्रीका महाद्वीप से जुड़ा है। महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में प्रशांत महासागर

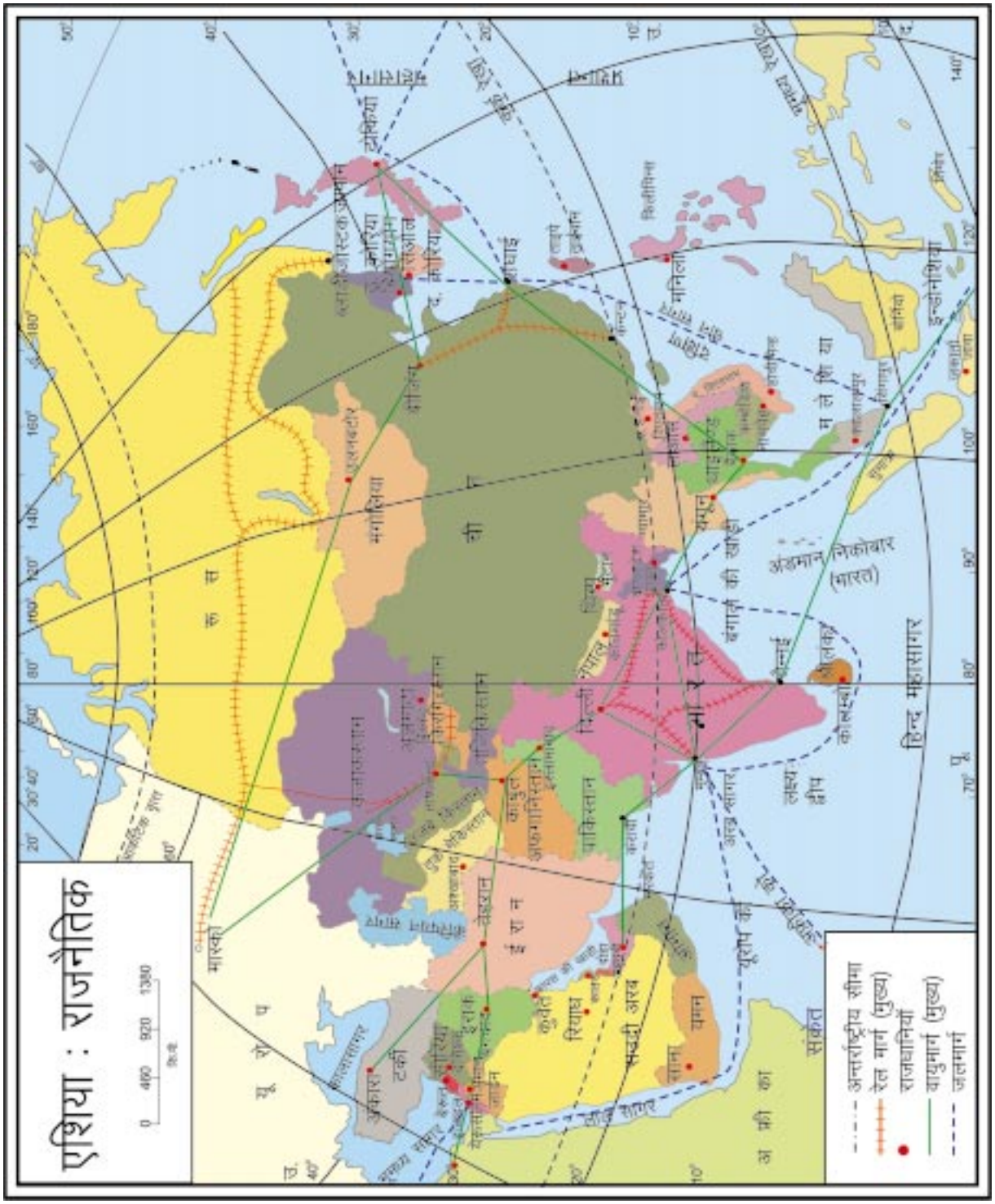

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार 2008

- समुद्र में भारत का जल प्रदेश उपयुक्त आधार रेखा से मापे गये बारह समुद्री मील की दूरी तक है।

मानचित्र क्र.-8: एशिया राजनैतिक

एवं दक्षिण में हिन्द महासागर है। एशिया महाद्वीप 10° दक्षिणी अक्षांश से 80° उत्तरी अक्षांश तथा 25° पूर्वी देशान्तर से 180° पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। एशिया महाद्वीप में 48 देश है। क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस एवं जनसंख्या की दृष्टि से चीन सबसे बड़ा देश है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरा बड़ा देश है

गतिविधि

एशिया के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखते हुए नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए-

		देश	राजधानी
उत्तरी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
मध्य एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
पश्चिमी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
द.पू. एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
दक्षिणी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------

धरातलीय स्वरूप

सामान्यतः किसी भी बड़े भू-भाग का धरातल एक समान नहीं होता। ठीक इसी प्रकार एशिया महाद्वीप में भी कहीं विश्व की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएँ हैं तो कहीं बहुत निचली भूमि और कहीं मैदान स्थित हैं। एशिया के धरातलीय स्वरूप को जानने के लिए आइए एशिया महाद्वीप के प्राकृतिक मानचित्र क्र. 9 को ध्यान से देखें।

मानचित्र को ध्यान से देखने पर हम एशिया महाद्वीप को मुख्य रूप से पाँच भौतिक भू-भागों में बांट सकते हैं-

1. उत्तरी निम्न मैदान
2. मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्षेत्र

शिक्षण संकेत

- एशिया के प्राकृतिक मानचित्र पर बच्चों से चर्चा करें व बताएँ कि पामीर के पठार से हिमालय पर्वत श्रृंखला, क्यूनलून पर्वत, सुलेमान पर्वत एवं हिन्दुकुश पर्वत श्रृंखलाएँ निकली हैं।

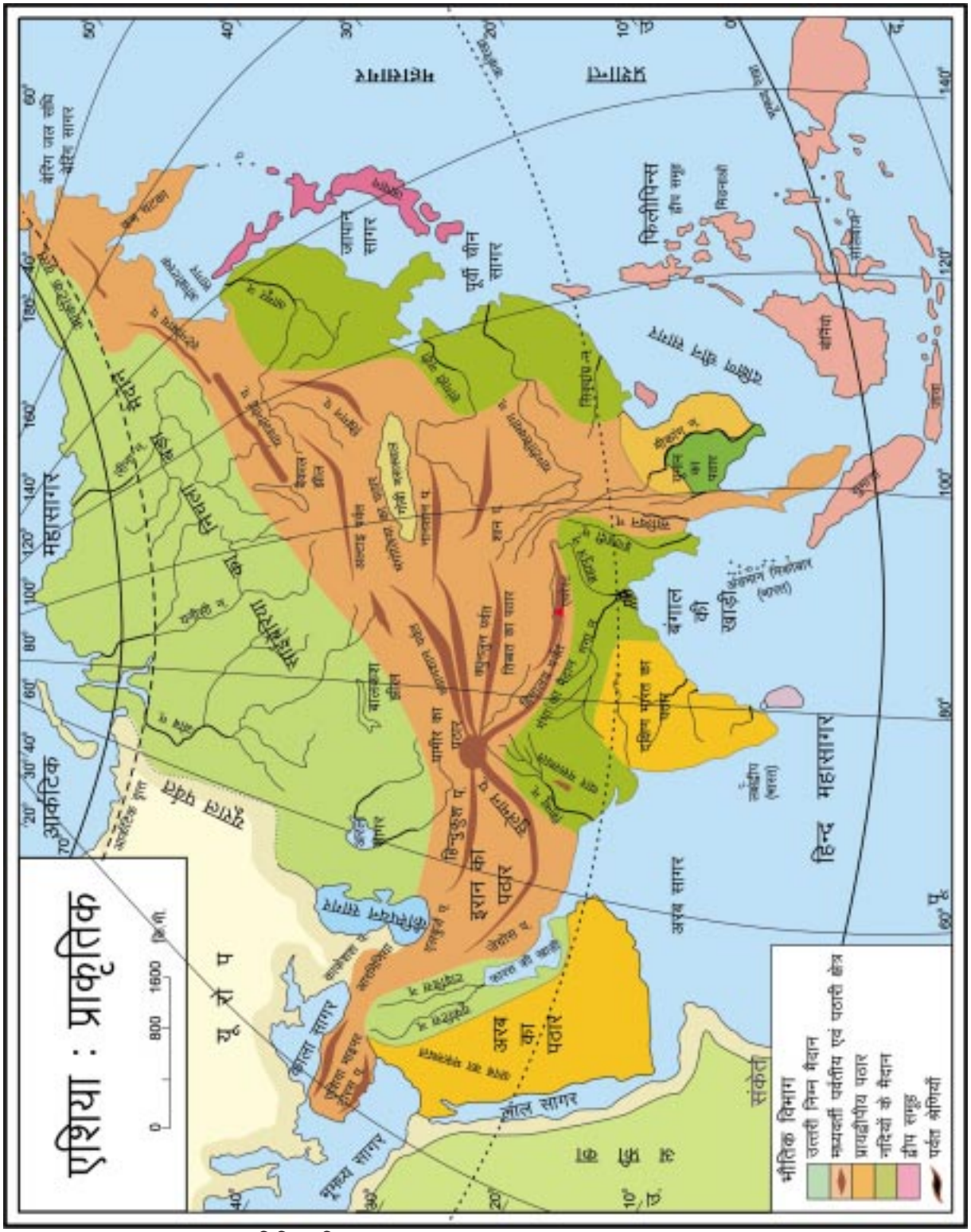

- © भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार 2008
- समुद्र में भारत का जल प्रदेश उपयुक्त आधार रेखा से मापे गये बारह समुद्री मील की दूरी तक है।

मानचित्र क्र.-9: एशिया प्राकृतिक

3. दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार 4. नदियों के मैदान

5. द्वीप समूह।

1. उत्तरी निम्न मैदान- एशिया महाद्वीप का उत्तरी भाग एक विस्तृत मैदान है। यह पश्चिम में यूराल पर्वत, पूर्व में लीना नदी तथा दक्षिण में मध्यवर्ती पर्वतों के बीच फैला है। इसे 'साइबेरिया का मैदान' भी कहते हैं। ओब, येनीसी और लीना इस मैदान की प्रमुख नदियाँ हैं। इस मैदान में संसार की सबसे गहरी और मीठे पानी की बैकाल झील स्थित है।

2. मध्यवर्ती पर्वतीय क्षेत्र- उत्तरी मैदान के दक्षिण में तथा महाद्वीप के मध्यवर्ती भाग में कई पर्वत श्रृंखलाएँ, एक ऊँचे पठारी भू-भाग से इस तरह बंधी हुई दिखती हैं, जैसे चारों दिशाओं से रस्सियाँ किसी गाँठ से बंधी हों। यह ऊँचा पठारी भाग 'पामीर के पठार' के नाम से जाना जाता है, जिसे 'दुनिया की छत' भी कहते हैं। मानचित्र में पामीर के पठार को देखकर लिखिए कि कौन-कौन से पर्वत यहाँ से पूर्व, पश्चिम और दक्षिण की ओर फैले हैं।

पामीर के पठार के पूर्व में तिब्बत का पठार है। हिमालय संसार का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय में माउण्ट एवरेस्ट संसार की सबसे ऊँची चोटी है, जिसे सागरमाथा भी कहा जाता है। थ्यानश्यान पर्वतमाला और अल्ताई पर्वतमाला के बीचों-बीच एक ठंडा मरुस्थल है, जिसे 'गोबी का मरुस्थल' कहा जाता है।

3. दक्षिणी पठार- मध्यवर्ती पर्वतमालाओं के दक्षिण में अति प्राचीन शैलों से बने हुए कुछ पठार हैं। ये मुख्य रूप से दक्षिण दिशा की ओर फैले हुए हैं तथा तीन ओर पानी से घिरे हुए होने के कारण इन्हें 'प्रायद्वीप' कहते हैं। इनमें अरब का पठार, दक्षिण भारत का पठार तथा ईरान का पठार मुख्य है। इन पठारों को मानचित्र क्र. 9 में चिह्नित किया गया है।

4. नदियों के मैदान- नदियों द्वारा लाकर जमा की गई मिट्टियों से निर्मित मैदान मुख्य रूप से पूर्वी एशिया व दक्षिणी एशिया में है। पश्चिमी एशिया में ये मैदान अरब, ईरान और इराक में दजला-फरात नदियों द्वारा बनाए गए हैं। दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान, इरावदी, साल्विन नदियों के मैदान, याँगटिसीक्यांग, सीक्यांग और ह्वांगहो, मीनांग-मीकांग, अमूर-सर दरिया नदी मैदान के नाम से प्रसिद्ध हैं। ये मैदान चावल की कृषि के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

5. द्वीप-समूह- एशिया महाद्वीप के पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व में कुछ द्वीप-समूह हैं। इनमें तीन द्वीप समूह प्रमुख हैं, इंडोनेशिया, फिलीपींस और जापान द्वीप समूह। इन सभी द्वीप समूहों का मध्यवर्ती भाग पर्वतीय हैं, जिनके चारों ओर संकरे तटीय मैदान हैं। इंडोनेशिया द्वीप समूह, महाद्वीप का सबसे बड़ा

शिक्षण संकेत

- छोटे समूहों में मानचित्र का पठन कराते हुए, एशिया महाद्वीप की मुख्य-नदियों, द्वीप समूहों, प्रमुख पठारों व मैदानों की सूची बनवाएँ व श्यामपट पर प्रस्तुतीकरण करवाएँ।
- मानचित्र में समान तापमान वाले स्थानों को मिलाती हुई एक रेखा द्वारा प्रदर्शित किया गया है जिसे समताप रेखा कहते हैं। इस रेखा के माध्यम से एशिया के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान को बताएँ।

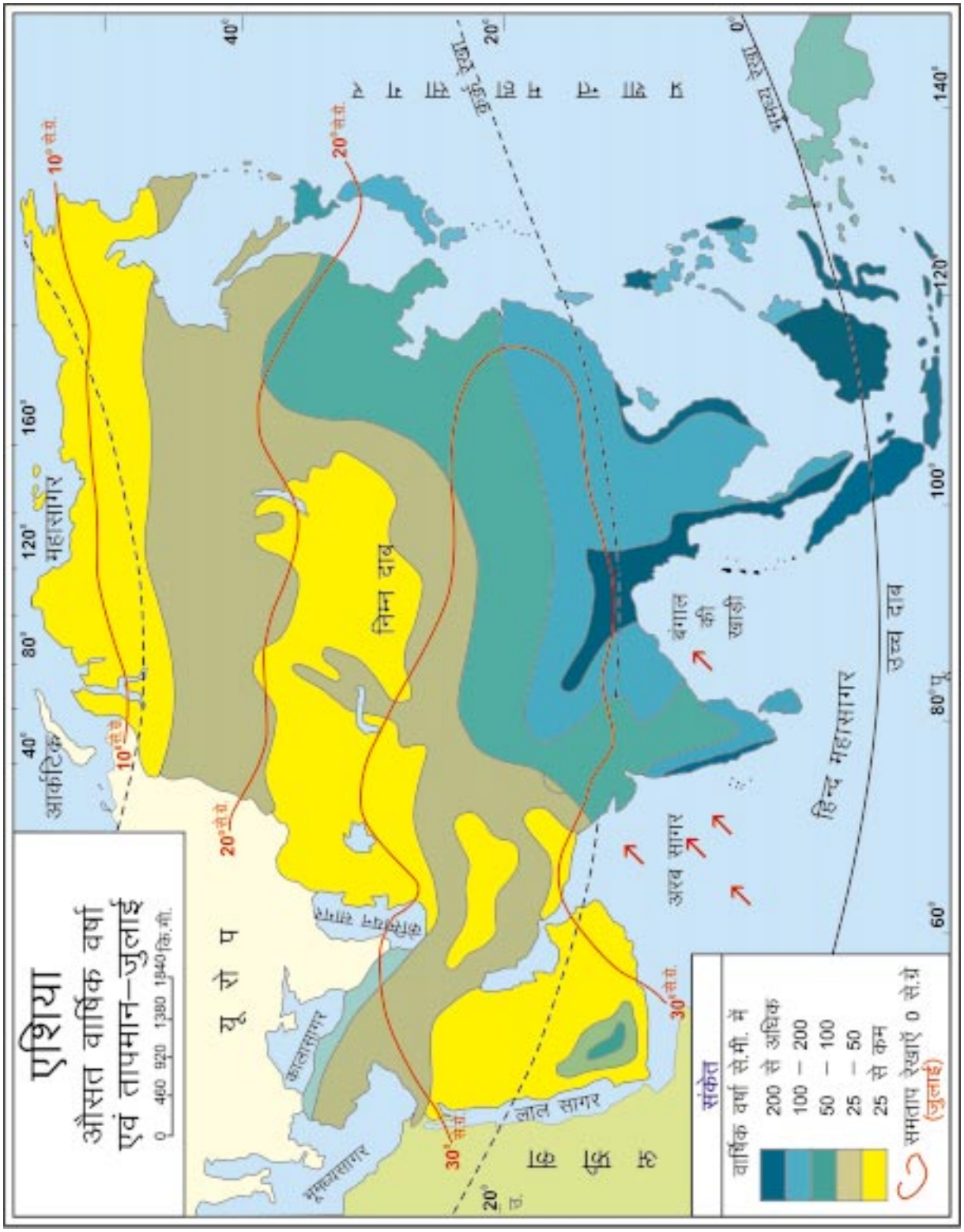

- © भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार 2008
- समुद्र में भारत का जल प्रदेश उपयुक्त आधार रेखा से मापे गये बारह समुद्री मील की दूरी तक है।

मानचित्र क्र.-10: एशिया औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

द्वीप समूह है।

जलवायु- महाद्वीप की धरातलीय विशालता, मध्यवर्ती भाग में फैली उच्च पर्वतमालाएँ और पठार एशिया महाद्वीप की जलवायु को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण घटक हैं।

इस महाद्वीप का दक्षिणी भाग विषुवत रेखा के समीप होने के कारण, सूर्य की सीधी किरणें पड़ने से वर्षभर गर्म व आर्द्र रहता है, जबकि उत्तरी भाग विषुवत रेखा से दूर होने के कारण वर्षभर सूर्य की तिरछी किरणें पड़ने से हिमाच्छादित रहता है। मानचित्र क्र. 10 को ध्यान से देखिए।

एशिया महाद्वीप का अधिकांश भाग उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। ग्रीष्म ऋतु में सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध में सीधा चमकता है। जिससे एशिया में इस समय तापमान अधिक होता है और मध्य एशिया में निम्न वायुदाब का क्षेत्र बन जाता है। ठीक इसी समय हिन्द महासागर तथा प्रशांत महासागर में उच्च वायुदाब रहता है। जिससे समुद्र से भाप भरी हवाएँ एशिया के मध्य भाग की ओर चलती हैं। इन्हें ही दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ कहते हैं। इन्हीं हवाओं से दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में वर्षा होती है। विश्व की सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मौसिमराम (भारत) है, जो एशिया महाद्वीप में ही स्थित है।

अक्टूबर-दिसम्बर में सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध में सीधा चमकता है। जिससे सम्पूर्ण एशिया में सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। इस कारण सम्पूर्ण एशिया में शीत ऋतु होती है। इस समय एशिया में स्थित मध्यवर्ती पर्वतमाला के उत्तरी भाग में तापमान 0° सेल्सियस से नीचे होता है। तापमान के गिरने से एशिया के मध्य में उच्चदाब का क्षेत्र बन जाता है। इसी समय दक्षिणी गोलार्द्ध में निम्न वायुदाब का क्षेत्र बना होता है। हवाएँ उच्च वायुदाब (मध्य एशिया) से निम्न वायुदाब (दक्षिणी एशिया) की ओर चलती है। थल से चलने के कारण हवाएँ शुष्क होती हैं, जो वर्षा नहीं करतीं, लेकिन जिन स्थानों पर हवाएँ समुद्र पर से होकर गुजरती है, वहाँ समुद्र के तटवर्ती भागों में वर्षा होती है। भारत के तमिलनाडु के तट पर इसी तरह की वर्षा शीत ऋतु में होती है।

गतिविधि

मानचित्र की सहायता से एशिया महाद्वीप के न्यूनतम और अधिकतम वार्षिक वर्षा के क्षेत्रों को रेखा मानचित्र में पेन्सिल से चिह्नित कीजिए।

वनस्पति एवं जीव-जन्तु

महाद्वीप के उत्तरी भाग में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस कारण इस क्षेत्र में कड़ी ठंड को सहन करने की क्षमता वाली वनस्पति पायी जाती है जैसे लिचेन, झरबेरी, काई आदि। इस वनस्पति क्षेत्र के दक्षिण भाग साइबेरिया के मैदान में स्प्रूस, फर, चीड़ जैसे वृक्षों वाली सदाबहार वनस्पति तथा महाद्वीप के मध्य भाग और दक्षिण-पश्चिम भाग में मरूस्थली वनस्पति जैसे बबूल, खजूर, नागफनी व कँटीली झाड़ियाँ मिलती हैं। दक्षिण पूर्वी एशिया में सागौन, साल, शीशम, बाँस, चंदन, आम, बरगद जैसे पतझड़ वन हैं।

एशिया के उत्तरी भाग जहाँ वर्षभर हिम पाया जाता है, वहाँ रेनडियर, सफेद भालू, सील व व्हेल

मछलियाँ पायी जाती है। दक्षिण भाग में जहाँ की जलवायु गर्म एवं आर्द्र तथा पतझड़ वन हैं। वहाँ सिंह, बाघ, हिरन, हाथी, जंगली भैंसे, गेंडे इत्यादि वन्य प्राणी मुख्य रूप से पाए जाते हैं। पश्चिमी, शुष्क और रेगिस्तानी भागों में भेड़, बकरियाँ और ऊँट पाए जाते हैं।

- **एशिया महाद्वीप विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है।**
- **जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में चीन का प्रथम एवं भारत का द्वितीय स्थान है।**
- **यूराल, हिमालय, थ्यानश्यान व हिंदूकुश एशिया की प्रमुख पर्वतमालाएँ है।**
- **यांगटिसीक्यांग, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, गंगा, इरावदी, ओबी, यनीसी, दजला-फरात आदि एशिया की प्रमुख नदियाँ है।**
- **पामीर का पठार, तिब्बत का पठार, दक्षिण (दक्कन) का पठार, चीन व मंगोलिया यहाँ के प्रसिद्ध पठार हैं।**
- **महाद्वीप का दक्षिण भाग गर्म एवं आर्द्र तथा उत्तरी भाग वर्षभर हिमाच्छादित रहता है।**
- **दक्षिण एशिया में अधिकांश वर्षा दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाओं से होती है।**
- **महाद्वीप की मुख्य वनस्पति स्प्रूस, फर, चीड़, साल, सागौन, शीशम, बाँस इत्यादि हैं।**

अभ्यास प्रश्न

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) संसार का सबसे बड़ा महाद्वीप ------- है।

(2) संसार की सबसे ऊँची चोटी -------- है।

(3) एशिया के उत्तरी भाग के मैदान को ------- का मैदान कहा जाता है।

(4) एशिया के मध्यवर्ती भाग में --------- के पठार को 'दुनिया की छत' के नाम से भी जाना जाता है।

(5) शीतकाल में एशिया के --------- भाग में उच्च वायुदाब का क्षेत्र बन जाता है।

(6) --------- विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान है।

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप किन-किन महासागरों से घिरा है?

(2) एशिया महाद्वीप के किन्हीं दो पर्वत एवं दो पठारों के नाम लिखिए।

(3) एशिया महाद्वीप को कितने प्राकृतिक भागों में बाँटा जाता है उनके नाम लिखिए।

(4) एशिया महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले दो कारक बताइए।

(5) एशिया महाद्वीप के उत्तरी भाग तथा दक्षिणी भाग की वनस्पति के दो अन्तर बताइए।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के धरातलीय भागों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(2) एशिया महाद्वीप की जलवायु एवं वनस्पति का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य – निम्नांकित को एशिया के मानचित्र में दर्शाइए–

(1) पामीर का पठार
(2) दक्कन का पठार
(3) हिमालय पर्वत
(4) यूराल पर्वत
(5) गंगा नदी
(6) यांगटिसीक्यांग नदी
(7) साइबेरिया का मैदान
(8) गंगा ब्रह्मपुत्र का मैदान
(9) इन्डोनेशिया द्वीप समूह
(10) जापान द्वीप समूह